# विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 18 से 24 सितंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 17 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881


## बाबूजी के आदर्श विचार

### जीवन की खुशियां

वह लोग जीवन में सबसे अधिक भाग्यशाली होते हैं, जिनकी पत्नी, पुत्र-पुत्री आज्ञाकारी होते हैं. इस तरह का माहौल जिस घर में होता है, वही घर स्वर्ग होता है. लेकिन जहां पति-पत्नी में ही मतभेद होता है, वहां के बच्चे अक्सर बुढ़ापे में मां की प्रताड़ना करती हैं. बच्चे की गलती को पति से कभी नहीं छुपाना चाहिए. लेकिन आजकल संस्कारों की कमी के कारण यह स्थिति दुर्लभ हुई है.

## 5 हजार बेटियों को सिखाया आत्मरक्षा का गुर

**विदर्भ स्वाभिमान, 17 सितंबर**

**हजारीबाग-**मन में अगर कुछ सकारात्मक करने की चाह है तो निश्चित तौर पर उसे सफलता मिलती है. ग्रामीण क्षेत्रों में बेटियों की शिक्षा आज भी किसी चुनौती से कम नहीं होती है. झारखंड के हजारी बाग की पांच बेटियों ने गांव की 5 हजार से अधिक बेटियों को स्वयं की सुरक्षा कैसे करनी चाहिए, इसका बेहतरीन गुर सिखाया. पांच बेटियों में प्रतिमा कुमारी, फौजिया परवीन, अलका कुमारी, नमिता भारती और राखी कुमारी का समावेश है. इनकी सर्वत्र सराहना की जा रही है.

महिला सशक्तिकरण में लगातार प्रयासरत रहने वाली पांचों बेटियों ने ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर बच्चियों को कराटे के माध्यम से स्वयं का बचाव कैसे करना चाहिए, यह सिखाया.

# दिल्ली गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में

## लाल किले की दीवारों पर जमा हो रही हैं काली परतें,कार्रवाई नहीं होने पर नुकसान

**विदर्भ स्वाभिमान,17 सितंबर**

**नई दिल्ली-** अमरावती को जहां स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिया गया है, वहीं दूसरी ओर देश की राजधानी दिल्ली गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में आ गई है. इसका समय रहते उपचार नहीं किया गया तो गंभीर समस्या पैदा हो सकती है. इसको ध्यान में रखते हुए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है. वाहनों के साथ ही अन्य माध्यमों से जिस तरह से खतरा बढ़ रहा है, वह निश्चित ही चिंताजनक है. पर्यावरण मंत्रालय को इस बारे में तत्काल समुचित कदम उठाना चाहिए.

एक अध्ययन में पाया गया है कि भारत की राजधानी दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के कारण शहर के सबसे प्रतिष्ठित मुगलकालीन स्मारकों में से एक, लाल किले की दीवारों पर 'काली परतें' जम गई हैं.

शोधकर्ताओं ने पाया कि ये परतें - प्रदूषकों और लाल बलुआ पत्थर के किले की दीवारों के बीच रासायनिक क्रिया के कारण बनी जमाव - 0.05 मिमी से 0.5 मिमी मोटी थीं, और अगर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो किले की जटिल नक्काशी को नुकसान पहुँच सकता था.यह अध्ययन 17वीं शताब्दी के इस स्मारक पर वायु प्रदूषण के प्रभावों **शेष पेज 5 पर**

# देश को मालामाल भी करता है नवरात्रि का पवित्र उत्सव

**विदर्भ स्वाभिमान,17 सितंबर**

**अमरावती/दिल्ली-** सनातन धर्म के हर पर्व का जहां महत्व है, वहीं यह रोजगार के साथ ही व्यापार की अपार संभावना पैदा करते हैं. नवरात्रि उत्सव के माध्यम से भारत में 50-60 हजार करोड़ रूपए की व्यवसाय वृद्धि होती है. इस बारे में यद्यपि अधिकृत आंकड़े नहीं मिले हैं लेकिन देश के शीष व्यापारी संगठन कैट का अनुमान है कि लाखों लोगों को रोजगार मिलता है और बड़ी संख्या में लोगों में खुशियों और गरबा के माध्यम से सैकड़ों बीमारियों पर भी रोक लगाने में मदद मिलती है. गरबा करते समय बड़े पैमाने पर शारीरिक व्यायाम होता है, इससे वजन नियंत्रित करने सहित

अन्य कई लाभ भी होते हैं.

ट्रेडर्स बॉडी कैट का अनुमान है कि नवरात्रि, रामलीला, आदि त्योहारों के समय भारत में लगभग ?250,000 करोड़ की व्यापार वृद्धि होती है.त्योहारों के समय मंडप व्यवस्था,हस्तशिल्पी, सजावट, प्रकाश व्यवस्था, वस्त्र, आभूषण, पूजा सामग्री आदि उद्योगों में मांग बहुत **शेष पेज 4 पर**

## श्री वेंकटाचल की महिमा

**कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 29वीं किश्त** **पेज 4 पर अवश्य पढ़ें.** **जय गोविंदा,जय**

# विदर्भ स्वाभिमान

## संपादकीय

# धर्म के साथ सेवा का माध्यम बने नवरात्रोत्सव

*भारत पर्वों और त्यौहारों का देश है. यही कारण है कि हमारे यहां सालभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम तथा उत्सव जैसा माहौल होता है. राज्य में गणेशोत्सव के बाद 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रोत्सव की शुरूवात हो रही है. इस दौरान महिलाओं का सम्मान करने के साथ ही जहां हमें शक्ति की ताकत का एहसास करना चाहिए, वहीं धार्मिकता के साथ ही गणेशोत्सव की तरह नवरात्रोत्सव को भी सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बनाते हुए इस दौरान बेहतरीन सामाजिक काम, व्यसनाधीन युवकों को व्यसन छोड़ने के साथ ही अन्य कुछ ऐसा संकल्प करने का प्रयास करना चाहिए, जो उनके जीवन को तारने का कार्य करे. अमरावती सहित राज्य में युवाओं में व्यसनाधीनता तेजी से बढ़ रही है. करोड़ों रूपए के राजस्व पर पानी फेरते हुए राज्य सरकार ने राज्य में गुटखे पर पाबंदी लगाई लेकिन भ्रष्ट विभिन्न सरकारी विभागों के कारण पहले से अधिक गुटखा चोरी-छिपे हर शहर में पहुंच रहा है और इसके शिकार बच्चों से लेकर युवा पीढ़ी हो रही है. गणेशोत्सव के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस चाणक्य जैसे राजनीतिक के साथ ही सेवाभाव की कल्पनाशीलता के लिए जाने जाते हैं. इसका अनुभव राज्य के लाखों, गरीबों और जरूरतमंदों ने श्री गणेश स्वास्थ्य योजना का लाभ लेकर किया. देवेन्द्र फड़णवीस का यह प्रयास जहां सराहनीय रहा, वहीं दूसरी ओर धार्मिकता का किस तरह मानव सेवा का धर्म निभाने में उपयोग किया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है.*

*राज्य में धार्मिकता का किस तरह सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने प्रस्तुत किया. गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना के आधार पर क्रियान्वित विशेष पहल 'श्री गणेश आरोग्य' को राज्यभर से उत्साहजनक प्रतिसाद मिलते हुए 7.50 लाख से अधिक गरीब और जरूरतमंदों को इसका लाभ मिला, यह गणेशोत्सव ऐसे लोगों के लिए सदा यादगार बन गया.मुख्यमंत्री सहायता कोष और धर्मार्थ अस्पताल सहायता केंद्र की पहल और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के सहयोग से क्रियान्वित इस पहल से लाखों नागरिकों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुँचाने में विभाग को सफलता मिली है. 28 अगस्त से 6 सितंबर के बीच राज्य के सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविर लेकर इस अभियान के माध्यम से लाखों गरीबों के जीवन में लाभ देने का काम किया गया. इसी तरह का प्रयास अगर नवरात्रोत्सव के दौरान किया जाए, महिलाओं, बच्चियों और युवतियों की स्वास्थ्य जांच करते हुए समुचित उपचार किया जाए तो निश्चित ही सही मायने में शक्ति की पूजा-अर्चना और आराधना का पुण्य सभी को मिलेगा. नवरात्रोत्सव को सेवा का माध्यम भी बनाया जा सकता है. प्रभु उसी से अधिक प्रसन्न होते हैं, जो उनके पुत्रों का ध्यान रखता है. यही कारण है कि पिता के साथ ही सबसे बड़े भगवान को हम परमपिता कहते हैं.*

# नवरात्रोत्सव पर अमरावती को तोहफा

**विदर्भ स्वाभिमान**
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

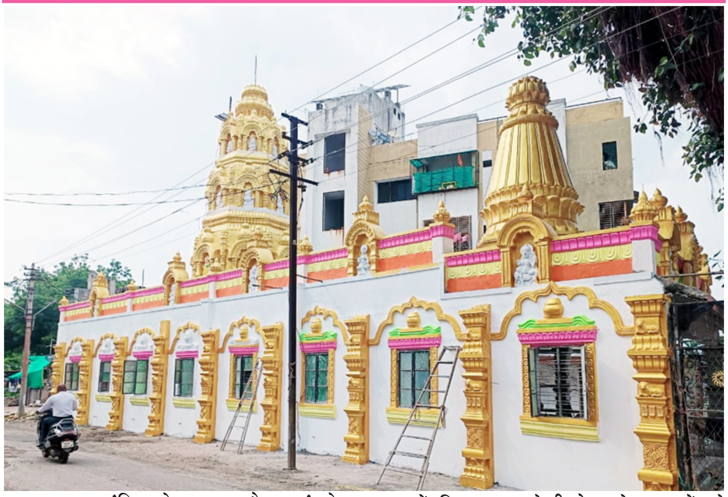

अंबानगरी का धार्मिक महत्व राष्ट्रीय स्तर पर रहा है. अंबादेवी-एकवीरा देवी मंदिर जहां अमरावती की शान रहा है, वहीं हिन्दू श्मशान भूमि के पीछे स्थिति महाकाली माता मंदिर में भी लाखों भक्त दर्शन कर अपना जीवन धन्य करते हैं. इस कड़ी में अमरावती ही नहीं तो नवरात्रोत्सव में मोरय्या परिवार द्वारा अमरावती शहर तथा जिले को बड़ा धार्मिक तोहफा दक्षिणी राज्यों की स्थापत्य कला पर आधारित महाकाली माता मंदिर है. मंदिर आकार ले रहा है, इसे देखने के लिए ही बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं. मंदिर में नवरात्रोत्सव केदौरान शतचंडी महायज्ञ सहित कई कार्यक्रम लिया जा रहा है, इसमें भक्तों को माता महाकाली के अलावा जाने-माने संतों के दर्शन का पुण्यलाभ भी मिलेगा, वहीं शतचंडी महायज्ञ में भाग लेने के साथ ही महिलाओं को लक्ष्मी पोटली का वितरण भी किया जाएगा. इसके लिए मंदिर में ही पंजीयन की व्यवस्था की गई है.इस मंदिर के कारण सबनीस प्लॉट क्षेत्र जहां धार्मिक तीर्थक्षेत्र बनेगा, वहीं दूसरी ओर जिस तरह से बेहतरीन तरीके से बेजोड़ इस मंदिर का काम हो रहा है, वह निश्चित ही विदर्भ में अमरावती की धार्मिक परम्परा का आदर्श उदाहरण बनने वाला है. अमरावती शहर की शान तथा आध्यात्मिक रूप से समूचे विदर्भ में अंबा नगरी का महत्व बढ़ाने का कार्य अजय मोरय्या तथा उनकी जीवन संगिनी जयश्री मोरय्या द्वारा किया गया है. सबनीस प्लॉट में नवनिर्मित तथा दक्षिणी राज्यों की स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने के रूप महाकाली मातामंदिर का निर्माण किया गया है. संभवत समूचे राज्य में समूचे राज्य में अपनी तरह का यह पहला मंदिर हो सकता है. यहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति की नजर गोल्डन टेंपल पर पड़ती है और यह मंदिर जागृत होने के कारण अभी से भक्तों की संख्या यहां बढ़ी है.मंदिर जागृत है और इसके पिछले 25 वर्षो से पुजारी पंडित रामअवतार पांडे बताते हैं कि इस दौरान हजारों की संख्या मैं लोगों को मां के पास रोते हुए आकर हंसते हुए जाते हुए उन्होंने देखा है. उनके मुताबिक निर्मल,निश्चल मन से यहां मांगी गई मन्नत कभी बेकार नहीं होता है. आखिर बात भाव तिथे देव वाली ही यहां पर भी लागू है. संदेह करने वाला व्यक्ति जीवन में जैसे सफल नहीं होता है तो अध्यात्म क्षेत्र में सफलता का सवाल ही नहीं.शक्ति का प्रतीक-महाकाली माता को शक्ति स्वरूपा और ब्रह्मांड की रक्षक माना जाता है.मंदिर में माता की मूर्ति उग्र रूप में विद्यमान होती है, जो असुरों के संहार और धर्म की रक्षा का संदेश देती है.

धार्मिक महत्व-यह मंदिर जब छोटा था, उसे समय से बड़ी संख्या में भक्त महाकाली मां की भक्ति एवं सेवा के कारण उनके जीवन में कितना बदलाव आया, इसकी जानकारी देते समय भावुक हो जाते हैं.भक्त यहाँ आकर शक्ति, साहस और निडरता की कामना करते हैं. भक्तों का कहना है कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास होने पर असंभव भी संभव हो जाता है.सबनीस प्लाट के इस मंदिर का अनुभव कईयों को आया है. श्रद्धा रही तो विश्वास और केवल अपने आत्मविश्वास से दिव्यांग भी चमत्कार कर सकता है. वैसे ही भक्ति की शक्ति के लिए दिल से अनुभव करने की जरूरत होती है. अमरावतीवासियों को यह तोहफा देने के लिए मोरय्या परिवार का अभिनंदन किया जाना चाहिए.

# ज्ञान और शक्ति का यह है प्रतीक

सनातन धर्म के साथ ही भारतीय आदर्श संस्कृति और यहां पर ही देवों के विभिन्न अवतारों ने मर्यादा से लेकर ज्ञान और शक्ति का संदेश समूचे विश्व को दिया. मेरे भारतवर्ष के दो छोर, पूरब और पश्चिम में भगवान परशुराम का अस्तित्व समस्त विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है.किसी भी राजनीतिक हस्तक्षेप के बगैर अपने ही बलबूते पर विप्र संगठन का यह यश अभूतपूर्व है.इसके लिए उनका विदर्भ स्वाभिमान अखबार अभिनंदन करता है. आज बुद्धि,शक्ति,कौशल्य सब कुछ रहने के बाद भी विप्र समाज कई समस्याओं से गुजर रहा है, ऐसे में यह प्रयास निश्चित ही काबिले-तारीफ है.

पश्चिम में श्री परशुराम ज्ञानपीठ और पूरब में शक्तिपुंज परशुराम, स्टैच्यू ऑफ स्ट्रेंथ नामक दो महायोजनाएँ युग निर्माण का पथ प्रशस्त कर रही हैं. विप्र फाउंडेशन के इन युगल प्रकल्पों ने न केवल समस्त ब्राह्मण समाज, अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र को भावविभोर कर दिया है। आज जनमानस मुक्त कंठ से इन कर दिया है, इन कार्यों की सराहना कर सर्वत्र की जा रही है. 6 सितम्बर 2025 को फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ. यह ज्ञानपीठ शिक्षा, संस्कार, कौशल विकास व प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रशिक्षण के क्षेत्र में समाज को नवजीवन देने का कार्य करेगा. अब पूरब में स्टैच्यू ऑफ स्ट्रेंथ तैयार है. भारत के पूरब में अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड का है जहाँ से चीन, म्यांमार, नेपाल और भूटान की सीमाएँ सन्निकट हैं.विप्र फाउंडेशन ने यहाँ 54 फीट ऊँची पंचधातु निर्मित भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापित करने का संकल्प लिया, जिसका भूमिपूजन व शिलान्यास भारत के गृहमंत्री अमित शाह के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ था,चार वर्षों की कठोर साधना से अब यह विश्व-स्तरीय मूर्ति अपने पूर्ण रूप में आ रही है. मूर्ति प्रतिष्ठा हो चुकी है और अब धनुष स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है. यह केवल एक मूर्ति नहीं, अपितु शक्ति और सामर्थ्य का प्रतीकात्मक आशीर्वाद है. जो भारत के ईशान में स्थित इस पवित्र तीर्थ से समस्त राष्ट्र को प्राप्त होगा. भगवान परशुराम ब्राह्मण समाज के आराध्य के साथ शक्ति,ज्ञान के साथ ही भक्ति के प्रतीक हैं. यह प्रयास सराहनीय है.

**पश्चिम में श्री परशुराम ज्ञानपीठ और पूरब में शक्तिपुंज परशुराम, स्टैच्यू ऑफ स्ट्रेंथ नामक दो महायोजनाएँ युग निर्माण का पथ प्रशस्त कर रहीं हैं. विप्र फाउंडेशन द्वारा आरंभ किया गया यह प्रयास निश्चित तौर पर जीवन में हर ब्राह्मण बंधु को शक्ति के साथ भक्ति का एहसास कराएगा. गृहमीत्र अमित शाह ने इसकी शुरूवात की है, यह प्रकल्प हर ब्राह्मण बंधु के लिए गर्व का विषय होना चाहिए और सभी को इसमें अपना भी योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.फाउंडेशन का अभिनंदन.**

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

**मुंबई-** आचार्य देवव्रत ने सोमवार को मुंबई के राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली. मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रशेखर ने उन्हें पद की शपथ दिलाई. राज्यपाल ने संस्कृत में शपथ लेकर भाषा की सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें बधाई दी.

# आचार्य देवव्रत बने महाराष्ट्र के राज्यपाल

**विदर्भ स्वाभिमान, 17 सितंबर**

**मुंबई-** गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्यरत आचार्य देवव्रत ने सोमवार को मुंबई में राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली. मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रशेखर ने आचार्य देवव्रत को पद की शपथ दिलाई.राज्यपाल ने संस्कृत में शपथ लेकर इस भाषा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की ओर ध्यान आकर्षित किया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने नवनियुक्त राज्यपाल को गुलदस्ते भेंट करके बधाई दी. इस अवसर पर भारतीय नौसेना ने औपचारिक सलामी दी.आचार्य देवव्रत, सी.पी. राधाकृष्णन का स्थान लेंगे, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद पद छोड़ दिया था. इस रिक्ति को भरने के लिए भारत के राष्ट्रपति ने पहले ही आदेश जारी कर आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का प्रभार सौंप दिया था. शपथ ग्रहण समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति, मंत्री, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी और आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे.शिक्षा और सामाजिक सुधार के साथ अपने लंबे जुड़ाव के लिए जाने जाने वाले आचार्य देवव्रत जुलाई 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं. इससे पहले, 2015 से 2019 तक वह हिमाचल प्रदेश के भी राज्यपाल रह चुके हैं.शपथ ग्रहण समारोह में सभी मान्यवर थे.

# मराठी माध्यम विद्यालयों में प्रवेश को लेकर अनिच्छा

**अभिभावकों में भी बच्चों को मराठी विद्यालयों में प्रवेश को लेकर नहीं दिखती उत्सुकता**

**मुंबई/अमरावती-** महाराष्ट्र में कक्षा एक से पांच तक हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किए जाने को लेकर कई राजनीतिक दल तीखे तेवर दिखा रहे हैं. लेकिन सच्चाई यह है कि राज्य में अभिभावक भी अपने बच्चों को मराठी माध्यम से शिक्षा दिलवाने को लेकर उदासीन हैं और पूरे राज्य में मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटती जा रही है. मुंबई ही नहीं अमरावती शहर के साथ ही जिला परिषद की कई मराठी शालाएं बंद होने की नौबत आ गई है. कई जिला परिषद मराठी माध्यम शालाओं में दो अंकों की संख्या भी छात्र पार नहीं कर पा रहे हैं. 9 छात्रों पर दो शिक्षकों को विद्यालय चलाना पड़ रहा है. शिक्षक पढ़ाने के लिए तत्पर हैं लेकिन छात्र नहीं रहने के कारण वे भी परेशान हैं. मराठी विद्यालयों को लोकप्रिय बनाने और यहां सुविधाएं देकर छात्रों को प्रोत्साहित करने के बारे में कोई सामने नहीं आ रहा है. लेकिन भाषा के मामले में राजनीति की जा रही है.

कुछ दिनों पहले भाषा को लेकर हुए विवाद के बाद राज्य सरकार ने कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किया, तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और कांग्रेस ने सरकार को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दे डाली है. मनसे और शिवसेना जैसे दल अपने स्थापना काल से ही शिक्षा और नौकरियों में मराठीभाषियों को प्राथमिकता देने के आग्रही रहे हैं.लेकिन मुंबई महानगरपालिका में पिछले करीब 30 वर्षों से शिवसेना का कब्जा होने के बावजूद मुंबई के मनपा संचालित विद्यालयों में भी मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटी है और हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की संख्या बढ़ी है. सिर्फ मुंबई महानगर में पिछले 10 वर्षों में बीएमसी संचालित मराठी माध्यम के 106 विद्यालय बंद हो गए हैं. इसके विपरीत हिंदी माध्यम के 30, अंग्रेजी माध्यम के 58, यहां तक कि उर्दू माध्यम के भी पांच विद्यालय बढ़े हैंपिछले तीन वर्षों को छोड़ दिया जाए, तो बाकी वर्षों में मराठी की प्रबल पैरोकार रही शिवसेना ही उस बीएमसी पर शासन करती रही है, जो इन विद्यालयों को संचालित करती है. इसी प्रकार त्रिभाषा फार्मूला के तहत फडणवीस सरकार द्वारा कक्षा पांच तक हिंदी पढ़ना अनिवार्य किए जाने का विरोध कर रही कांग्रेस भी पिछले 25 वर्षों में ज्यादातर समय महाराष्ट्र की सत्ता में रही है.

1999 से 2014 तक तो कांग्रेस का ही मुख्यमंत्री रहा है और 2019 से 2021 तक वह शिवसेना और राकांपा के साथ सत्ता में रही है. इसके बावजूद मुंबई के बाहर शेष महाराष्ट्र में भी मराठी माध्यम के विद्यालयों को बंद होने से वह रोक नहीं पाई.

छात्र मिलना मुश्किल- अमरावती सहित राज्य में गरीब से गरीब भी अपने बच्चे को सरकारी स्कूल,मराठी माध्यम की बजाय कान्वेंट में डालना चाहता है. इसके लिए कौन जिम्मेदार है. कई मराठी विद्यालय बंद हो गए हैं और कई इस मार्ग पर हैं. ऐसे में मराठी भाषा मजबूती के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए.

## गुरूवार 18 से 24 सितंबर 2025

**मेष-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्यः शुरूआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवारः रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाहः बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

**वृषभ-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यारः घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाहः खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

**मिथुन-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्तु जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यारः पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाहः किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

**कर्क-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्यः मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाहः प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

**सिंह-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्यः काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यारः घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाहः अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

**कन्या-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाहः सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

**तुला-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्यः बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाहः वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

**वृश्चिक-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्यः मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाहः विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे रुख से दूरी बनाएं.

**धनु-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्यः हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यारः साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाहः अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

**मकर-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्यः नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यारः पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाहः जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण रखना फ़ायदेमंद रहेगा.

**कुंभ-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाहः कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

**मीन-**कैरियर / आर्थिक स्थितिः नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यारः परिवार और दोस्त-रिश्तों में सुकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाहः दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

जय गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविंदा

# हठ योग में यम-नियम-आसन-प्राणायाम अष्टांग योग

## विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

## किश्त-30, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

**कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.**डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

**गतांक से जारी-6.भ्रमरिका कुंभक-**पुरुष मिलिंद ध्वनि की तरह सांस खींचकर भ्रमर के आनंद से की गयी ध्वनि के रूप में नाक से क्रम से रेचन करना चाहिए.इसे क्रम से अभ्यास करना चाहिए. इस अभ्यास से चित्त में आनंद होता है.यही भ्रमरिका कुंभक है.

**7. मूर्छा कुंभक-**अब मूर्छा कुंभक के बारे में बताऊँगा,सुना. सांस को खींचकर जालंधर को पकड़े रहने से मन में सव्दोध पैदा होकर,अंदर पैठकर जीव से मन को भरते जाना ही मूर्छा कुंभक है.

**8. केवल कुंभक-**अब केवल कुंभक के बारे में बताऊँगा. सुनो. रेचक पूरक कुंभक करते हुए हुए स्वाभाव से वायु धारणा करके निजबोधानंद में मग्न होकर रहने से वह केवल कुंभक होता है. ऐसे कुंभक का अभ्यास करके सिध्द बननेवाले को तीनों लोकों में कोई दुर्लभ कार्य नहीं होता है. वह सर्व स्वतंत्र भी होता है.ऐसे हठ योग में यम-नियम-आसन-प्राणायाम अष्टांग योग त्रिबंधाष्टक कुंभक मुद्रा आदि साधनों से व्दादशाब्धों तक अभ्यास करने से सिध्दि प्राप्त होती है.वह ऐसा है कि प्रथमाब्ध में मनुष्य रोगरहित होता है. व्दितीयाब्ध में कवित्व करने लगता है. तृतीयाब्ध में विष को जीतता है,चतुर्थाब्ध में भूख-तृष्णा-निद्रा थकावट को जीतता है. पंचमाब्ध में वाक्शुध्दि को प्राप्त करता है. षष्टाब्ध में खड्गभेध्य बनता है. सप्ताब्ध में भूमि से ऊपर उठता है, अष्टमाब्ध में ऐश्वर्य संपन्न होता है, नवमाब्ध में

भोगवान बनता है, दशमाब्ध में मनोवेगवान बनता है, एकादशाब्ध में विश्ववशत्वं बनता है. व्दादशाब्ध में साक्षादिशत्व बनता है. यह हठ योग का क्रम है.और मैं राजयोग के बारे में बताऊँगा,सुनो. उसे सूक्ष्माष्टांगपूर्वक अभ्यास करना चाहिए.

**राज योग (सूक्ष्म अष्टांगयोग पूर्वक)-** आहार निद्रादि दर्शेद्रियों को दबा कर शांति को प्राप्त करना यम है. निश्चल गुरुभक्ति निस्संशय योगासक्ति तृप्ति एकांतवास की इच्छा, वैराग्य भाव को ग्रहण करना नियम है. सहज सुख देनेवाले आसन में रहना निस्पृहत्व को प्राप्त करना आत्मा को दबाकर ठीक करके खड़े होना आसन है.प्रकट रेचक पूरक और कुंभक समेक श्वासों को अप्रयत्न रूप से जमाना अनिरुध्द कुंभक है. प्राण को स्थिर रूप में रोक कर जगत को सत्य और नित्य मानना प्राणायाम है. अंतर्मुखी होकर निर्मल मन से मन में उत्पन्न होनेवाले मनोविकारों से अलग रहना ऐसे विकारों को त्याग करके निर्व्यापार रहना ही प्रत्याहार है.स्वस्वरूपानुसंधान भाव से व्दितीय रहित आत्मानुभव में सर्वजगत को आत्म के रूप में मानना सकल भूत दया के साथ समरसता से नित्य तृप्त होना ध्यान है.अंतर बाह्य प्रकाश को एकसूत्र में स्वत तेजोमय रूप में परमात्मा को लेकर दृढ़ संकल्प करके मन को शांत रखना ही धारण है.उस धारण के अभ्यास में चित्त को एकाग्रता से रखने पर जीवात्मा और परमात्मा में जल शर्कर न्याय से मिलाकर रखना ऐसा अनुभव करना ही समाधि है. ऐसे सूक्ष्माष्टांग से प्रकाशित होनेवाले राजयोग के लक्षणों को संक्षेप में बताऊँगा. वे ऐसे हैं कि हंसाक्षर सिध्दासन केवल कुंभक नाद इन चारों से राज योग प्राप्त होता है. उसमें 1. सांख्य 2. तारक 3.अनुनस्क त्रिविध हैं. इनमें सांख्य योग ऐसा है.

**1. सांख्य योग-**पंचतन्मात्राएँ पंचभूत पंचीकृत प्रबल होकर उत्पन्न होनेवाले सकलेंद्रीय सर्वविषयजाल गुणत्रय काम विकारादि देह अशाश्वत ऐसा सोचकर जाननेवाली जानकार मैं हूँ, ऐसा निश्चय करके विक्षेपादि आवरणों को दबाकर अपने आप में अपने को ढूँढ़-ढूँढ़ कर पहचान कर अचल वृत्ति से रहना सांख्य योग है. गुरू मुख से इसे अभ्यास करना चाहिए.इस प्रकार सांख्य योग के बारे में जानकर तारक का अभ्यास करना चाहिए.

**2. तारक योग लक्ष्यत्रय-**अर्धनिमिलित नेत्रों से या दोनों नेत्रों को बंद करके परमात्मा को गुरू की कृपा से अंदर ही दर्शन कर सकते हैं. चंद्र और सूर्य के रहते सहज ही चमकने वाले ताराओं में विमल बिंदु के रहने से वह तारक योग से प्रकाशवान लक्ष्य त्रय बनता है.वह तारक योग बाह्य मध्य अंतर्लक्ष्य के रूप में रहता है. उनमें बाह्य लक्ष्य कैसा है. सुनो.

**1. बाह्य लक्ष्य-**बहिर्नासिकाग्र का अवलोकन करते मनो मारुतों से मिलकर स्थिर रखकर उसमें चतुरवर्ण प्रमाण से नैल्यम को षटवर्ण प्रमाण से धूम्र को अष्टांगल प्रमाण से रक्त को दशांगुल प्रमाण से तरंग प्रभा को व्दादशांगुल प्रमाण में भीत को प्राप्त होता है. ये पांचों पंचभूत के वर्ण बनकर सामने आने पर अपांग द्रष्टा बन कर उन्हें शीर्ष के ऊपर रखकर निश्चल चित्त बनाकर देखने पर चंद्रप्रभा दिखाई देती है. इसके अतिरिक्त कान,नासापुट नेत्र मार्ग से उंगलियों में रहने से निष्ठा के साथ चित्त को वहाँ पर स्थिर करने से प्रणवनाद को सुन सकते हैं. प्रकट दीप कलाएँ नवरत्न कांति भी दिखाई पड़ती है. यह आत्म प्रत्यय प्रकाशित बहिर्लक्ष्य है. अब मध्य लक्ष्य विधान कैसा है सुनो.तिरूपति क्षेत्र चमत्कारी क्षेत्र है, अनुभव लेना चाहिए.जय जय गोविंदा.

**शेष अगले अंक में**

## नवरात्रि उत्सव से मालामाल

**पेज 1 से जारी-**बढ़ जाती है,जिससे अस्थायी रोजगार बनता है. उदाहरण के लिए, एक समाचार में कहा गया है कि गुजरात में नवरात्र के दौरान लगभग 3.5 करोड़ लोग गरबा इत्यादि कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं, जिससे आयोजन, सजावट, खान-पान, वस्त्र आदि की मांग बढ़ती है. उत्साह के साथ ही भारत के हर पर्व के माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगार मिलता है. इतना ही नहीं तो लाखों लोगों को इस माध्यम से रोजगार मिलता है.रोजगार कई प्रकार का हो सकता है. अस्थायी/सीज़नल, अंशकालिक, पूर्णकालिक, ग्चक आधारित, स्वयं आजीविका आदि. अधिकांश काम अस्थायी होता है, आयोजनों के लिए.रोजगार का आँकलन प्रायः स्थानीय या राज्यस्तरीय होता है. लेकिन यह कहा जा सकता है कि मंडप निर्माण से लेकर मूर्तिकार, बाजार में माता रानी की चुनरी से लेकर अन्य साहित्य सहित कन्या पूजन और भोजन के गिफ्ट तक पर नजर दौड़ाई जाए तो 35 हजार करोड़ रूपए से अधिक की आय का अनुमान है.

जहां तक सवाल अमरावती का है तो यहां लगभग 200 करोड़ रूपए से अधिक का मूर्तिकार, मंडप, लाइटिंग और डेकोरेशन के साथ ही अन्य कार्यों पर आय होती है. आचार्य के माध्यम से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है, सभी मिलाकर जिले में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है.

# निर्मल दिल के सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ हैं

## डॉ.राजेश शर्मा के जन्मदिन पर विशेष,आत्मीयता के सागर,मरीज सेवा में समर्पित व्यक्तित्व

डॉ.राजेश शर्मा जहां बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही गंभीर, संवेदनशील, मरीजों की सेवा में समर्पित डाक्टर हैं.

शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात और वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में शर्मा चिल्ड्रेन्स हास्पिटल के संचालक डॉ.राजेश शर्मा जहां बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही गंभीर,संवेदनशील, मरीजों की सेवा में समर्पित डाक्टर हैं. उनके साथ बीते 30 साल के दौरान जिस तरह का आत्मीयता का अनुभव आया, जिस तरह बड़े भाई के रूप में सदा साथ देते हैं, बिना किसी तरह का प्रदर्शन किए संबंधों को निभाते हैं, वह निश्चित ही अभिनंदनीय है. परिवार की तरह आत्मीयता के साथ ही सदा मुसीबत में भी सही मार्गदर्शन और सलाह देने के साथ ही मरीज सेवा को ही वे प्रभु सेवा मानते हैं. उनके 18 सितंबर को जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु गोविंदा उन्हें तमाम खुशियां, बेहतरीन स्वास्थ्य और हर मनोकामनाएं पूरी करें, प्रभु चरणों में कामना. बच्चों की बीमारियों, विकास, पोषण, टीकाकरण और मनोवैज्ञानिक पहलुओं की गहरी जानकारी जहां वे रखते हैं, वहीं बेहतरीन बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में हजारों लोगों का विश्वास जीतने में सफल हुए हैं. आधुनिक तकनीकों और चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी रखने के साथ ही वैद्यकीय क्षेत्र में भी सदा अपडेट रखते हैं. आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने के साथ ही किसी गरीब मरीज के लिए उन्हें हरसंभव प्रयास के साथ ही मदद करते हुए मैने कई बार अनुभव किया.

माता-पिता की चिंता को समझकर उन्हें आश्वस्त करने के साथ ही हिम्मत देने का कार्य वे करते हैं. बच्चे की पीड़ा को महसूस कर संवेदनशीलता के साथ इलाज करना चाहिए.बच्चों से दोस्ताना अंदाज में बात करने के साथ ही माता-पिता को सदा हिम्मत देने का काम करते हैं. खेल-खेल में जांच करने की कला के साथ ही अपने हर मरीज की जानकारी जैसे सदा याद रखते हैं. यही कारण है कि उनके द्वारा जांच करने तथा दवाई देने के बाद तत्काल वह असर दिखाती है. वे चेहरे से भले ही गंभीर दिखाई देते हैं लेकिन उनकी आत्मीयता का जिन्हें अनुभव आता है, उनके लिए वह देवतुल्य हो जाते हैं. संवेदनशीलता के साथ बिना कुछ बोले अपार प्रेम की खान वे सदा रहते हैं. मुस्कराकर और सहजता से मरीज के साथ ऐसा घुलमिल जाते हैं और समझाते हैं कि आधा दर्द वैसे ही खत्म हो जाता है. बीमारी और उपचार की जानकारी माता-पिता को सरल भाषा में समझा सके.परिवार को सही मार्गदर्शन दे, जैसे टीकाकरण का समय, खानपान, स्वच्छता आदि.दवाइयाँ और परीक्षण केवल आवश्यकतानसार ही लिखे. पैसे से अधिक रोगी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के साथ ही समुचित मार्गदर्शन भी करते हैं.गोपनीयता और व्यावसायिक आचार संहिता का पालन करने में भी सदाव तत्पर रहते हैं. अमरावती शहर ही नहीं तो आसपास के जिले के भी मरीज बड़ी संख्या में आते हैं.

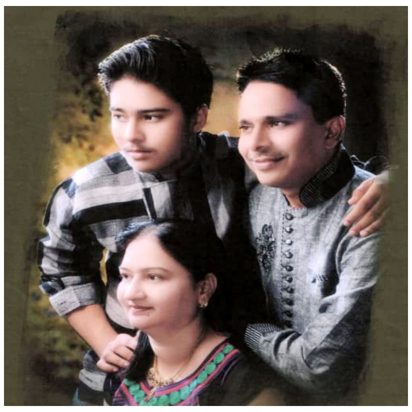

उन पर जहां भरोसा है, वहीं आज व्यवसायीकरण के दौर में भी मरीजों की सेवा को प्रभु सेवा समझते हैं. अनुसंधान और नवीनता में रूचि रखने के साथ ही वैद्यकीय क्षेत्र में समय-समय पर होने वाले बदलावों की जानकारी भी रखते हैं. नए शोध और पद्धतियों को अपनाने के लिए तत्पर रहते हैं. चिकित्सा ज्ञान को अद्यतन करता रहे.गरीब और जरूरतमंद बच्चों का भी इलाज सेवा भाव से करने के साथ ही सदैव सहयोग करने की भावना रखते हैं. वे खुश रहें, स्वस्थ रहें,यही कामना.भाई साहब आपका प्रेम और अपनापन सदा इसी तरह मुझे प्राप्त हो, प्रभु चरणों में सदा यही कामना करते हुए जन्मदिन पर फिर से मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

**सुभाष दुबे, संपादक 9423426199**

बड़े भाई जैसा प्रेम,अपनापन और साथ देने वाले,यारों के दिरदार यार और विदर्भ स्तर के जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ,हम सभी के चहेते

## डॉ.राजेश शर्मा सर

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु गोविंदा उन्हें स्वस्थ रखें, मस्त रखें, यही कामना.

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती.आपेश्वर मेडिकल स्टोर्स, शर्मा हास्पिटल के सभी कर्मचारी व मित्र परिवार.

# दिल्ली गंभीर वायु प्रदूषण

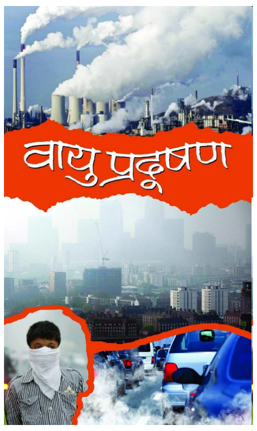


**पेज 1 से जारी-** की व्यापक जाँच करने वाला अपनी तरह का पहला अध्ययन है.दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक, दिल्ली अक्सर अपनी बिगड़ती वायु गुणवत्ता के लिए, खासकर सर्दियों के महीनों में, सुर्खियों में रहता है.हेरिटेज/एमडीपीआई नई दिल्ली के लाल किले की दीवारों पर फफोले दिखाई दिए.शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने पाया कि वायु प्रदूषण और आर्द्रता के कारण लाल किले की दीवारें उखड़ रही हैं. संरक्षणवादी अक्सर राजधानी और कुछ अन्य राज्यों में विरासत संरचनाओं पर प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में चेतावनी देते रहे हैं.2018 में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि सफेद संगमरमर से निर्मित 17वीं शताब्दी का प्रसिद्ध मकबरा ताजमहल वायु और जल प्रदूषण के कारण पीले और हरे-भूरे रंग का हो गया है और उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से इसके संरक्षण के लिए कदम उठाने का आग्रह किया था.

लाल किले पर यह अध्ययन, जो जून में सहकर्मी-समीक्षित ओपन एक्सेस वैज्ञानिक पत्रिका हेरिटेज में प्रकाशित हुआ था, भारत और इटली के शोधकर्ताओं द्वारा 2021 और 2023 के बीच किया गया था.मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा निर्मित लाल किला, दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित विरासत स्मारकों में से एक और एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा के एक दिन बाद, 16 अगस्त 1947 को किले से राष्ट्रीय ध्वज फहराया था. तब से, प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर किले की प्राचीर से भाषण देते रहे हैं.राष्ट्रीय राजधानी में जहां वायु प्रदूषण गंभीर है, वहीं अमरावती को स्वच्छ वायु के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त होना निश्चित ही सभी के लिए गौरव की बात है. इसके लिए मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा के साथ ही मनपा अधिकारियों की सराहना की जानी चाहिए.


विदर्भ स्वाभिमान

मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

## यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

## खुशियों के हर प्रकार के रंग

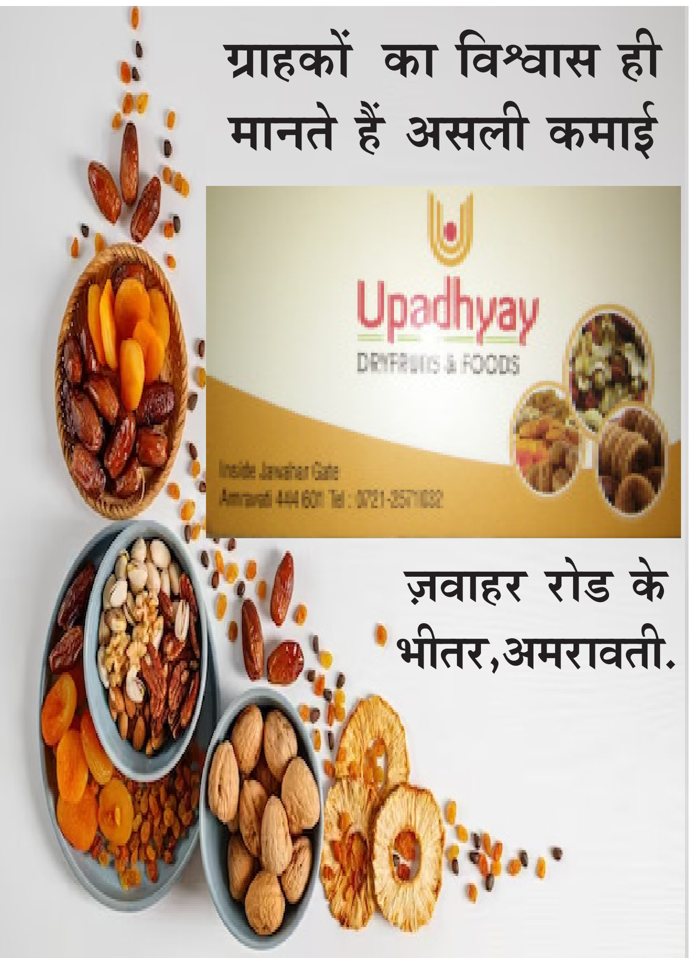



विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे


| | | |
|---|---|---|
| जाहीर सुचना | 10x2 | 500 |
| जाहीर सुचना | 15x2 | 1000 |
| बच्चों का जन्मदिन | 10x2 | 500 |
| शादी की वर्षगांठ | 10x2 | 500 |
| नाम में बदल | 10x2 | 500 |
| गुमशुदा | 10x2 | 400 |
| श्रध्दांजलि | 10x2 | 500 |
| पुण्यस्मरण | 15x2 | 1000 |

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

# अपनी विकास योजनाओं से सभी को कर रहे प्रभावित

## सचिन भेंडे की सभा में उमड़ रहे हैं लोग, आदर्श नगर सेवक के हर गुण हैं मौजूद,युवाओं की चाहत

**अमरावती-** महानगर पालिका चुनाव को भले ही समय है लेकिन आदर्श नगरसेवक बनने के लिए इस बार मैदान में उतरने वाले सचिन भें डे को युवाओं की चाहत जहां माना जा रहा है वहीं दूसरी ओर साईनगर प्रभाग के नागरिक उनके जैसे युवा नगर सेवक की जरूरत मानकर बदलाव की मानसिकता बना रहे हैं. विगत कई वर्षों से प्रभाग में करोड़ों के विकास काम उन्होंने किया है. उनका मानना है कि नगर सेवक यानी जनता का प्रतिनिधि, जो नगर की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए कार्य करे. उसका स्वार्थ स्वविकास की बजाय प्रभाग के सर्वांगीण विकास का होना चाहिए. आदर्श नगर सेवक के व्यक्तित्व में कुछ विशेष गुण होने आवश्यक है. नगर सेवक का मूल उद्देश्य जनता की सेवा होना चाहिए. सचिन भें डे का विकास का जहां विजन है, वहीं दूसरी ओर बिना किसी पद पर रहते हुए भी करोड़ों रूपए का विकास काम उन्होंने किया है. ऐसे में लोगों के मुताबिक जो बिना किसी पद पर रहते हुए इस तरह विकास की गंगा बहा सकता है, उन्हें मौका मिलने पर निश्चित ही वे बेहतरीन काम करेंगे. वह राजनीति को लाभ का साधन न मानकर, समाज सुधार का माध्यम मानते हैं. उनका कहना है कि भगवान का दिया उनके पास सब कुछ है, इसलिए राजनीति घर भरने का नहीं बल्कि जनसेवा का उनके लिए माध्यम बनेगी. ईमानदारी और पारदर्शिता को वे जीवन में महत्व देते हैं.किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार से दूर रहते हैं.महापालिका निगम में होने वाले कार्यों में पूरी पारदर्शिता रखने के साथ नागरिकों की बुनियादी समस्याएँ जैसे पानी, सड़क, सफाई, स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने के लिए सदा तत्पर रहते हैं. साफ-सफाई से लेकर बगीचों के विकास,बच्चों के खेलने के साथ युवाओं के लिए जिम,रोजगार मार्गदर्शन, युवाओं को मुफ्त में क्लासेस के साथ ही रोजगार की अपार संभावना पर जोर देने की बात कही. लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याएँ सुनने के साथ ही उसका तत्काल निराकरण करने पर जोर देते हैं. हमेशा जनता के लिए उपलब्ध रहने के अलावा दूरदर्शी और विकासोन्मुखी सोच रखते हैं.

उन्हें प्रभाग की जनता भावी नगर सेवक के रूप में देख रही है. हर छोटे-बड़े मुद्दे पर सक्रियता से काम करने में वे विश्वास रखते हैं. उनका मानना है कि आदर्श नगर सेवक वही है जो ईमानदार, जनसेवक, जवाबदेह और दूरदर्शी हो, और जो नगर के हर नागरिक की भलाई को अपना कर्तव्य समझे. यह सारे गुण उनमें मौजूद रहने से लोग भी उन्हें चाह रहे हैं.उनके जैसे युवा राजनीति में जरूरत हैं.

**यह कविता किसकी है पता नहीं लेकिन जीवन का बेहतरीन संदेश इसमें दिया गया है. पाठकों के लिए इसे यहां कवि के प्रति कृतज्ञता के साथ विदर्भ स्वाभिमान प्रस्तुत कर रहा है. जन्म से श्मशान तक की बात इसमें कही गई है.**

तीन पहर तो बीत गये,  
बस एक पहर ही बाकी है।  
जीवन हाथों से फिसल गया,  
बस खाली मुट्ठी बाकी है।

सब कुछ पाया इस जीवन में,  
फिर भी इच्छाएं बाकी हैं  
दुनिया से हमने क्या पाया,  
यह लेखा - जोखा बहुत हुआ,  
इस जग ने हमसे क्या पाया,  
बस ये गणनाएं बाकी हैं।

इस भाग-दौड़ की दुनिया में  
हमको इक पल का होश नहीं,  
वैसे तो जीवन सुखमय है,  
पर फिर भी क्यों संतोष नहीं !

क्या यूं ही जीवन बीतेगा,  
क्या यूं ही सांसें बंद होंगी ?  
औरों की पीड़ा देख समझ  
कब अपनी आंखें नम होंगी ?  
मन के अंतर में कहीं छिपे  
इस प्रश्न का उत्तर बाकी है।

मेरी खुशियां, मेरे सपने  
मेरे बच्चे, मेरे अपने  
यह करते - करते शाम हुई  
तीन पहर तो बीत गये,  
बस एक पहर ही बाकी है।  
जीवन हाथों से फिसल गया,  
बस खाली मुट्ठी बाकी है।

# अष्टपैलू नेत्री हैं सौ. सुलभाताई खोड़के

शहर में विकास के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने वाली लोकप्रिय नेत्री के रूप में सौ.सुलभाताई खोड़के अपार लोकप्रिय हैं. वे जहां महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए प्रयास करती हैं, वहीं दूसरी ओर शिक्षा,विकास, सांस्कृतिक कार्यों में भी सदा अग्रणी रहती हैं. उनका कहना है कि शहरवासियों ने जो विश्वास उनमें जताया है, उस विश्वास को निरंतर बढ़ाने और अमरावती शहर को विकास में सबसे आगे रखने का प्रयास करती हैं. राकांपा कार्यकर्ता उन्हें जहां मातृवत मानते हैं वहीं जनता की सुख-दुःख की साथी के रूप में उनकी छवि बनी है. कार्यकर्ताओं की बात समस्याएं सुनने से लेकर उसके निराकरण तक वे सदा व्यस्त रहती हैं. घर के साथ ही कार्यालय पर हजारों लोगों की समस्या निराकरण करने का कार्य करती हैं.

लोकप्रिय जननेत्री का सौ.सुलभाताई खोड़के हर वर्ग में अपार लोकप्रिय हैं. सभी का साथ उन्हें इसीलिए मिलता है. उनका व्यक्तित्व सेवा, त्याग, करुणा, न्यायप्रियता और साहस का अद्वितीय संगम कहना गलत नहीं होगा. वह राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं मानती, बल्कि जनकल्याण का मार्ग समझती हैं.इसी थीम पर सदा काम करती हैं. जन्मदिन पर उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

**आशीष कपले,अमरावती.**

# विदर्भ स्वाभिमान

## आवश्यक नम्बरों की सूची

| | |
|---|---|
| सीएम शिकायत पोर्टल | 181 |
| विद्युत सेवा | 1912 |
| पशु सेवा | 1962 |
| पुलिस सेवा | 112,100 |
| अग्नि सेवा | 101 |
| एमबलैस सेवा | 102 |
| यातायात पुलिस | 103 |
| आपदा प्रबंधन | 108 |
| चाइल्ड लाइन | 1098 |
| रेलवे पूछताछ | 139 |
| भ्रष्टाचार विरोधी | 1031 |
| रेल दुर्घटना | 1072 |
| सड़क दुर्घटना | 1073 |
| सी एम सहायता लाइन | 1076 |
| क्राइम सटायर | 1090 |
| महिला सहायता लाइन | 1091 |
| पृथ्वी भूकम्प | 1092 |
| बाल शोषण सहायता | 1098 |
| किसान काल सेन्टर | 1551 |
| नागरिक काल सेन्टर | 155300 |
| ब्लड बैंक | 9480044444 |
| साइबर अपराध | 1930 |

# मां के स्वागत में अंबानगरी तैयार,भक्तों में हर्ष अपार

**विदर्भ स्वाभिमान,17 सितंबर**

**अमरावती-** नवरात्रोत्सव की खुशी तथा भक्तों में हर्ष अभी से दिखाई दे रहा है. जहां मंदिर सज रहे हैं माता भक्तों की तैयारी के लिए मंदिर सज रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल अंबाविहार का सिल्वर ज्युबली साल रहने से मंडप तैयारी के साथ ही अन्य तैयारियां की जा रही हैं. इसके साथ ही तपोवन के गोदावरी हाऊसिंग सोसायटी के अधीनस्थ मातोश्री दुर्गा मंडल की सभी तैयारियां हो गई हैं. अंबानगरी मां दुर्गा के स्वागत और वंदन के लिए पूरी तरह से तैयार हो गई है. नवरात्रि उत्सव को लेकर मंदिरों द्वारा जहां भक्तों की सुविधा की तैयारी की जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुर्गा मंडलों द्वारा पंजीयन, मंडप निर्माण, मूर्ति के आर्डर देने के साथ ही युवाओं की टीम द्वारा क्षेत्र तथा परिचय वाले लोगों से दुर्गोत्सव की पावती फाड़ने का काम शुरू किया जा रहा है. तपोवन के मातोश्री दुर्गा मंडल, पिछले 25 साल से मां की दुर्गा की आराधना करने वाले जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल अंबाविहार के साथ ही सराफा बाजार तथा अन्य स्थानों पर दुर्गा उत्सव की तैयारी तेजी से की जा रही है. युवाओं में जहां उत्साह है, वहीं दूसरी ओर मूर्तियों के आर्डर के साथ ही मंडलों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन करते हुए संबंधितों पर जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही है.

**मूर्ति 10, मंडप 15 फीसदी महंगा**

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक महंगाई की मार नवरात्रोत्सव पर भी दिखाई दे रही है. पिछले साल की तुलना में मंडप निर्माण खर्च 10 से 15 फीसदी तथा मूर्ति की कीमतों में 10 फीसदी तक की वृद्धि हुई है. युवाओं के मुताबिक जो 15 बाय 25 का मंडप पिछले साल 30-35 हजार रूपए में हो जाता था, इस साल वह 40 तक चला गया है. यही स्थिति मूर्ति की भी है. 5 फुट की मां दुर्गा की मूर्ति की कीमत 15000 रूपए के करीब है. मंडप व्यवसायी गौरव काठोले के मुताबिक वस्तुओं की कीमत बढ़ने के साथ ही मजदूरों की मजदूरी बढ़ने के कारण यह असर पड़ा है. बावजूद इसके धार्मिक उत्सव होने से कम से कम खर्च में बेहतरीन सेवा देने का प्रयास किया जाता है.

## जय अंबे का 25वां साल,विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

**अमरावती-** माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाते समय अंबाविहार निवासी कुछ मित्रों के प्रयासों से शुरू मां दुर्गा की भक्ति का लाभ क्षेत्रवासियों को मिल रहा है. मां दुर्गा का साक्षात्कार सुभाष दुबे,राजेश बनारसे, अवि काळे,सचिन कोठाळे के अलावा स्व.अजय ठाकरे,स्व. गजानन चाबुकस्वार ने किया. जय अंबे दुर्गा उत्सव मंडल के रूप में सामने आया. बाद में सब व्यस्त रहने के बाद भी क्षेत्र के युवाओं ने इस कमान को संभाला और उनका भी सहयोग कायम रहा.

रविनगर के अलावा क्षेत्र में दुर्गा स्थापना और पूजन का श्रेय रहने वाले जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल की मां की आराधना को 24 साल पूरा हो गया है. इस साल 25 वां साल यानी सिल्वर ज्युबली रहने के कारण मंडल में अपार उत्साह है. धार्मिक के साथ ही विभिन्न सामाजिक उपक्रम लेने, बच्चों के लिए स्पर्धा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करने की जानकारी गौरव शेटे तथा सहयोगियों ने दी. सफलतार्थ गौरव शेटे, वैभव तल्हार, हर्षल काले, अक्षय मांडवगणे, रोहित पाचंगे, सागर काले, अंकुश उर्फ गोलू काले, राहुल मावले, हर्षल माथुरकर, वैभव काले, रितेश दुबे, करण बोडखे, शुभम ठाकरे, स्वप्निल कपिल सहित क्षेत्रवासी प्रयास कर रहे हैं.

# लोकप्रिय जननेत्री हैं विधायक सौ.सुलभाताई खोड़के

विदर्भ स्वाभिमान

प्रा.डॉ.अजय एस. बोंडे

शहर के विकास में राकांपा नेत्री विधायक सौ.सुलभाताई खोड़के तथा विधायक संजय खोड़के के योगदान को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है. सभी की चहेती और विदर्भस्तर की लोकप्रिय नेत्री के रूप में सुलभाताई खोड़के ने जहां विकास को गति दी है, वहीं दूसरी ओर ज़नविकास के साथ ही संवेदनशील महिला नेत्री के रूप में अपार लोकप्रियता हासिल की है. शहर में जहां विकास के विभिन्न काम शुरू हैं, वहीं दूसरी ओर विधायक खोड़के दम्पति को शहर विकास का विजन रखने वाले नेता के रूप में पहचाना जाता है. सौ. सुलभाताई खोड़के के जन्मदिन 18 सितंबर पर उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों.

लोकप्रिय नेत्री के साथ ही जनसेवा में उनका समर्पण, लोगों की समस्या सुनने और उसका निराकरण करने के साथ ही उनका विश्वास और जनता के दिल में सम्मान निश्चित ही भाग्यशाली नेताओं को ही मिलता है. ताई किसी की बात को ध्यान से सुनने के बाद उसका निराकरण करने के लिए सदा तत्पर रहती है.

**जनसेवा की भावना-**जननेत्री का व्यक्तित्व जनसेवा पर टिका होता है. वह समाज के हर वर्ग की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहती हैं. सर्वधर्म का सम्मान करने के साथ ही सौ. सुलभाताई खोड़के द्वारा शहर के संतुलित विकास के लिए लगातार प्रयास किया जाता है. पिछले पांच वर्षों के दौरान उनके द्वारा विकास कामों के बलबूते ही अमरावती शहर की जनता ने दुबारा तमाम चुनौतियों के बाद भी उनमें विश्वास जताते हुए उन्हें विजयी बनाया. वे लोकप्रिय के साथ ही संवेदनशील नेत्री भी हैं. जिन्हें लोगों का सदा विश्वास और सम्मान मिला है. ताई का जीवन आडंबर रहित है. लोगों द्वारा गणेशोत्सव के दौरान बुलाने पर न केवल जाती हैं बल्कि हरसंभव सहयोग देने का कार्य भी करती हैं. उनका आचरण और व्यवहार सादगी से भरा है, यही कारण है कि राकांपा आज मजबूती के साथ अमरावती में तेजी से आगे बढ़ रही है. जनता उनसे आत्मीयता महसूस करती है. चुनाव में चुनौतियों के बाद भी जिस तरह से लोगों ने उनमें विश्वास जताया, उसके चलते उनकी लोकप्रियता फिर एक बार साबित हुई है. उनका व्यक्तित्व ममता और करूणा से ओत-प्रोत होता है. वे समाज के वंचित, गरीब और पीड़ित वर्ग के लिए सच्ची सहारा बनती हैं. साथ ही समाज के हर वर्ग की दुःख तकलीफों को समझने के साथ ही उसे न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास करती हैं. हर कार्य में न्याय और समानता को महत्व देती हैं. जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी के साथ समान व्यवहार करती हैं. सर्वधर्मीय लोकप्रिय नेत्री के रूप में उन्होंने न केवल अमरावती बल्कि समूचे राज्य में अपना स्थान बनाया है. उन्हें जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

# बच्चों को पहले संस्कार दें, कार बाद में भी चलेगा

**बदलते दौर में मोबाइल से हम पूरे विश्व तक पहुंच पाते हैं लेकिन दुर्भाग्य की अपने करीबियों,अपनों तक नहीं पहुंच पाते हैं. माता-पिता हमारे जीवन के ऐसे एटीएम होते हैं, जिनका प्रेम,त्याग,अपनापन कभी खत्म ही नहीं होता है. लेकिन कितने अभागे होंगे ऐसे बेटे, जो माता-पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम में भेजते हैं. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा इस बारे में लगातार जागरूकता का प्रयास किया जा रहा है. माता-पिता का धरती का भगवान मानते हुए पूजो, जीवन संवर जाएगा. वर्ना संवरा जीवन बिखरने में देर नहीं लगेगी.माता-पिता की सेवा और उससे जीवन में हुए बदलाव का अनुभव आप भी लोगों तक पहुंचा सकते हैं. आजमाने का प्रयास करो, माता-पिता बार-बार नहीं मिलते हैं, उनके जीते-जी उनके महत्व को समझने वाला कभी दुःखी नहीं रहता है. इसमें महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होती है, इसका ध्यान रखा जाना चाहिए.**

## जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, उसी घर में भगवान बसते हैं

**विदर्भ स्वाभिमान,17 सितंबर**

**अमरावती/इंदौर-** कहते हैं कि प्रभु को हम परमपिता कहते हैं, उनके पास जाति,धर्म,पंथ का भेद नहीं होता है. लेकिन हर जगह परमेश्वर नहीं पहुंच सकते हैं, शायद इसीलिए उन्होंने माता-पिता के रूप में अपना प्रतिनिधि हमारे जीवन में भेजा है. इसलिए जीवन में माता-पिता की सेवा करने वाला कभी दुःखी नहीं रहता है. लेकिन अपने स्वार्थ के कारण माता-पिता को तकलीफ देने वाली औलाद धन-सम्पत्ति से भले ही बढ़ जाए लेकिन वह कभी सुखी नहीं रह सकता है. यह बात शास्त्रों में वर्णित है. इंदौर पोद्दार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य और माता-पिता के भक्त सुधीर महाजन का दावा है कि जिस घर में माता-पिता मुस्कराते हैं, जिस घर में माता-पिता का सम्मान होता है, उस घर में सुख,समृद्धि के साथ स्वास्थ्य का त्रिवेणी संगम होता है. जिन घरों में माता-पिता की सेवा होती है और वे प्रसन्न रहते हैं, उन घरों पर प्रभु की अपार कृपा होती है. इसीलिए प्राचार्य सुधीर महाजन हमेशा कहते हैं कि जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, उसी घर में भगवान बसते हैं और जहां प्रभु बसते हों, उस घर में कभी दिक्कत नहीं हो सकती है.

वृद्धाश्रम संस्कृति ऐसे लोगों के लिए थी,जिनका दुनिया में कोई नहीं रहता था. लेकिन जो माता-पिता अपना पूरा जीवन बच्चों के लिए खपा देते हैं, ऐसे माता-पिता के अंतिम संस्कार में शामिल

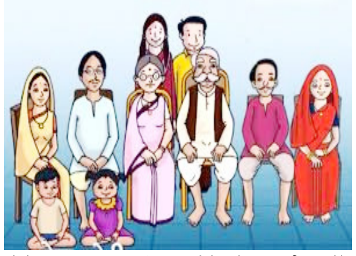

होने का भाग्य जिस बेटे के नसीब में नहीं होता है, उससे बड़ा अभागा दुनिया में नहीं हो सकता है. बच्चों को पहले संस्कार देना चाहिए,इसके बाद ऐसी स्थिति कभी नहीं आ सकती है. कोशिश करें कि बच्चों को शिक्षा में कमी हुई तो चलेगी, वह लायक रहेंगे और आपके संस्कार से जीवन यापन कर लें गे लेकिन संस्कार नहीं मिलने के बाद आपकी कमाई खर्च कर आपको ही भिखारी बनाने और वृद्धाश्रम पहुंचाने में देरी नहीं करेंगे. इसलिए संस्कार को पहले प्राथमिकता दें.बच्चोंकी शिक्षा के साथ ही संस्कार वह ताकत होती है, जिससे वह संवेदनशील इंसान बनते हैं.

## प्रभु का प्रतिरूप होते हैं जीवन में हमारे माता-पिता,सम्मान सदा दें

जीवन में माता-पिता से बड़ा त्यागी नहीं हो सकता है. यही कारण है कि उन्हें प्रभु समान उपमा दी गई है. जिस घर में माता-पिता का सम्मान होता है, उस घर में प्रभु का निवास होता है. वे अपने बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा, संस्कार और सुख-समृद्धि के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं.माता-पिता जैसा निःस्वार्थ प्रेम माता-पिता अपने बच्चों से बिना किसी अपेक्षा के प्रेम करते हैं.अपने सुख, इच्छाएँ और आराम छोड़कर बच्चों के भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं. मां जहां संस्कारों की जननी होती है, वहीं पिता बच्चों का भविष्य संवारने के लिए हमाली से लेकर हर काम खुशी-खुशी करने में गौरव अनुभव करता है. यही कारण है कि दोनों से कभी कोई बेटा उऋण नहीं हो सकता है. माता-पिता नहीं रहने के बाद दुनिया को दिखाने की बजाय उनके जीते-जीते जितनी सेवा और आशिर्वाद प्राप्त कर सकते हो, उतनी प्राप्त करने का प्रयास करो. माता-पिता जीवन के मूल्य, नैतिकता और आदर्श वे ही सिखाते हैं. उनकी हर भूमिका निश्चित तौर पर ही न केवल पूज्यनीय बल्कि अनुकरणीय होता है. कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों को सुरक्षित और खुश रखने का प्रयास करते हैं.उनके संघर्ष और तपस्या ही बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं.माता-पिता का जीवन एक दीपक की तरह होता है जो खुद जलकर अपने बच्चों का मार्ग प्रकाशमान करता है. इसलिए उन्हें धरती पर ईश्वर का स्वरूप कहा गया है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450